

DPN 6288

Title : अग्नि स्थापना AGNI STHĀPA NA

Run. No. 6979

Cat. No. 36

Micro. No.

Subject Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 20 x 8.5

Folios 18

Lines (in a page) 18/22

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

जितगोविन्द अमात्य JIT GOVINDA

Author / translator

Scribe / donor

राजेन्द्र श्रेष्ठ

AMĀTYA

Date: NS / SS / VS / KS 1019 / 1980

Ruler / place

Rajendra Shreshtha

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

॥

सम्बत् १९८० साल शुद्ध ज्येष्ठ सुदि अष्टमी शुक्रवारया सुधस मिथुन लग्नस लक्ष इवतया अग्नि
स्थापन याना दिन जुल ॥ मल्ह दौवाहालाया अमात्य जितगोविन्द साहु मजमात जुल।
P.T.O.

संवत् १०९९ माघ शुद्ध तृतीया सोमवार चखुन्ड दौ बहालमा अमात्य
जितगोविन्दया श्री लक्ष्माद्वितीया अग्नि स्थापन दिन शुक्रिया देशायातिमा
सप्त च जुल ।

शुक्रि ३ विभिन्न चासप्त चैपिं हिन्दू बौद्ध छेपिते तां व चाय्या नां
दुग जुल ।

37157 2-911401

20
शतैश्वर

एक

केतु

जैम

15
गोकर्णेश्वर

असोकचैत्ये जैराहा

सिद्धिलक्ष्मी पुत्रली

बहुकर्मै तर्गक्षो

10
मीराक्षी ५ सिनाय

अयोध्या दिगुपति

मथुरा

माया लक्ष्मी शिव

5
कासी - शिवपति

काशी शिवविष्णु

अष्टतिका - शिव

वाराणसी

विष्णु

20
सम्बन्ध १६८० साल शुद्ध ज्येष्ठ सुदि
अष्टमी शुक्रवार या सुध समिधुन
लग्नसलक्ष इवनया अग्निस्थाप
नयानादिन जुल ॥ या कल दौवा
हा लया अमात्य जिन गोविन्द
साहुय जमान जुल ॥

होता स्वलिप्तया आर्गं छे सचोन
लश्रीय यशद्वर उपाध्या ॥ १ ॥

बंला स्वलिप्तया देगो लिउ ने
या श्री अमरा कान्त उपाध्या ॥ २ ॥

१०
ऋग्वेद बलाया कुं छे सचोन ल
श्रीगणेशानन्द उपाध्या ॥ ३ ॥

यजुर्वेदियदुको या श्री विश्व
ज्वालानन्द उपाध्या ॥ ४ ॥

५
सामवेदिय स्वलिप्त दूने देखा
ईसि चोक चोन लश्री देया यन
राज उपाध्या ॥ ५ ॥

अथर्वरावेदियदुको तथं

चोक सचोन लश्री इन्द्रियान
न्द उपाध्या ॥ ६ ॥

उत्तगा नृस्व लिप्त दूने देखा
खाई सि चोक चोन लश्री वे
कुराठ राज उपाध्या ॥ ७ ॥

ऋत्विक् ॥

गोलया ॥ श्री पूर्णेशानन्द
उपाध्या ॥ ८ ॥

पुषु चो स्वलिप्तया श्री वे कुराठ
नाथ उपाध्या ॥ ९ ॥

मङ्गलया ॥ श्री मोहन विनोद
उपाध्या ॥ १० ॥

पदुको ॥ श्री कृष्ण ज्वालानन्द
उपाध्या ॥ ११ ॥

पदुको ॥ श्री वीर ज्वालानन्द
उपाध्या ॥ १२ ॥

स्वलिप्तया आर्गं छे चोन ल ॥

श्री भवानिशद्वर उपाध्या ॥ १३ ॥

20
जोसिधुंवाहायाहेरम्बमङ्ग
ल ॥ ॥

15
आचाजुइकवाहालयाहुड
बीर ॥ ॥

20

15

10

5

5

10

15

20

15

10

5

5

10

15

20

15

10

5

5

10

15

20

15

10

5

5

10



20

15

10

5

5

1



संवत् १०१६ माघ शुक्ल तृतीया
सोमवार ध्वजुह दौवहातपात्र
मात्पजित गोविन्द या श्रीलक्षाह
नित्या अग्नि स्थापन दिन थुकि
यादेशाया नित्या सकृद्वर्जुन

श्रीसूर्य आकृष्टे
नारायण इदं विष्णु
सदाशिव नमस्ते
गणेश गणानां त्वा
अलिमस्त्रकेशव इदं विष्णु
धनजेश्वर जजाग्रतो
ब्रह्माणि रुद्रं ब्रह्मयज्ञानं
महेश्वरि यलिंगा नमः शंभ
कौमारि काद्य यत्र वाणा
वैद्यवीज्येया इदं विष्णु
वाराहि धमतिल यस्य कर्मो
इंद्राणि लोहगर्ध नातारमींद्र
चामुण्डा सिक्वहि यत्र वाणा
महालक्ष्मि थछे श्रीश्रुते
वरुकभैरव प्रतिष्ठा असंख्या
गणेश हासायत गणानां त्वा
कुमार कुसुंति यत्र वाणा
तारा पूचो उदुद्रास्वा
दिन्नमस्तोमोमदु जातवेद
वंगला कंति अवे अंवि के

भूमावती धुंवाहा. जातवेदसे
 मातंगी मंग. शिवंगिरि
 भुवनेश्वरि. आदित्यगर्भ नवहि
 भैरवी इषालसु असंख्याता
 सुंदरी सौगल. अंबेअम्बिके
 रमा पुंचलि. हिरण्यवर्णी
 योगिनी भंगी. जातवेदसे
 ज्ञानेश्वरि लगंसो. अंबेअंबि
 गणेश दोवाहा. गणोभ्यो
 पंचवुद्ध ऐ उदुद्धाचाग्रे
 बुद्ध ऐ ऐ
 बुद्ध ऐ ननि ऐ
 राजा कृष्ण ऐ. कृष्णोस्या
 बालगोपाल ऐ इंदविभु
 लक्ष्मीनारायण ऐ. ऐ
 गरुड ऐ. सुपर्णासि
 क्षेत्रपाल ऐ. असंख्याता
 हरिश्चंद्र ऐ. नमः शंभवा
 लक्ष्मीनारायण तुलशीफले
 लक्ष्मीनारायण ऐ. इंदविभु
 पीठ दोवाहा. जातवेदसे

कृपदोवाहा. नमोसर्वेभ्यो
 जलधेनु ऐ. इममेवरुणा
 योगावरनकीया. जातवेदसे
 भैत्रपाल चांगल. असंख्याता
 बुद्ध कायेगूननि. उदुद्धाखा
 शीतला ऐ जातवेदसे. ह
 त्रिलिंगेश्वर वाहालुषा. नमः
 गणेश ऐ. गणोभ्यो
 वदुक ऐ असंख्याता
 फंकेश्वरि ऐ अंबेअम्बिके
 ऋषि ऐ सप्रवय
 गणेशयनवाहा. गणानांत्वा
 भैरव ऐ असंख्याता
 पंचाग्निथव. अग्निऋषि
 गणेश ऐ गणानांत्वा
 गणेश ऐ ऐ
 विश्वकर्मा ऐ. विश्वकर्मनरुवि
 क्षेत्रपाल ऐ. असंख्याता
 मेत्रावरुण ऐ. सप्रवय
 जलविनायक कयेजा. गणा
 भीमसेन छायेवाहा. सहस्राणि
 महालक्ष्मी-चलसु. श्रीश्वते
 अनाकाश भैरवचलसु. अनाकाश

बुद्धपिंवाहा असंख्याता
 तडागरे इममे
 भवभवानी शिवांगिरि
 गरुश गणानां त्वा
 हरसिद्धि समस्य देव्या
 हनुमान तीव्र-घोषान्
 रत्नेश्वर नमस्ते
 स्वेष्टदेवी अंवेअम्बिके
 दामोदर विद्योराट
 यंत्र अंवेअम्बिके
 कृष्ण कृष्णोत्पासरे
 गरुशनेवहि-गरुभ्यो
 स्वेष्टदेवताये अंवेअम्बिके
 गरुडनायगाये विद्योराट
 भगवतीये
 भैरव धलाचा
 नाग इलके
 गरुश कालघु
 उग्रचरागरेगा
 पीठ भुलघु
 काभत बुद्ध शाका मुनि
 भगवती वतातले योगाचार
 केलेवर

दिगी काभत
 लिंगेश्वर ज्ञातो
 कुम्भेश्वर कति
 सर्वेश्वर ये
 शीतला ये
 उन्मत्तभैरव ये चोराग
 आगमजु ये सर्वेश्वर वलनान
 गोरिकुण्डये गुहेश्वरी पीठ
 नीलमाधव स्वथ वृषभ
 गरुश संधू
 चराउभैरव भैरवे
 गजेन्द्रमोक्षरा त्ववाहा
 गरुश वलघु
 भीमसेन-चासं
 शिवलिंग ये
 नृत्येश्वर सौगल
 गरुश चोयो
 गरुश ववाहा
 सरस्वती नुग
 भीमसेन हनुवाहा
 शिवलिंग लघुसि
 राजराजेश्वरी चाकुवाहा

राजै कृष्ण मोरंग
दुर्गा — से —
सुंदरी इवाहा
चण्डेश्वरी से इवाहा लख
स्वतभैरव — से —
तुलजा देवी मंग
दिगुतले से —
मणिगणेश से
राजकृष्ण से
भीमसेन से
द्रौपदी — से —
कंती — से —
भूतभूतिबी से
कपिलेश्वर से
ईशान — से —
मणिकेशवर से
भैरव हंपात
लख महापां काल
गणेश महापां
वाग्मती शंखमूल
रुद्रमती से
मनमती से

सीतमाध
आनंददिलो वैश्वरचोवाहा
वाघुभैरव किर्तिपूर
काली कं पि
गोपालेश्वर से
खड्गयोगिनी से
शिखर नारायण से
भैरव त्यागा
वज्रवाहा वा
कार्यविनायक वृग
आर्यावलोकितेश्वर से
लदेकदेभैरव से
रुद्रशक्ति बीना
हरसिद्धि त्रिशक्ति जल
पूतचोमाजु
धेनाचोमाजु
महालक्ष्मी लभु
विसंघु नारायण विसंघु
आकाशभैरव स्वप
नवदुर्गा — से —
नीलवाहा ही बुदे
सूर्यविनायक स्वप
वापी वृग

20
यमाय
धर्मराजाय
मृतेवे
अंतकाय
वैवस्वताय
15 कालाय
सर्वभूतक्षयाय
औदुम्बराय
दध्राय
नीलाय
परमेश्विने
10 हकोदराय
चित्राय
चित्रगुप्ते
बालकुमारीथेमि
पशुपतिगोल
वधलाये
5 राजराजेश्वरिसे
जयवागीश्वरिसे
बुद्धखासाति
सिद्धिविनायकचावहि
श्रीगुहेश्वर

वासुकिगोल
वनकालीये
अस्वविनायकमदु
वज्रयोगिनीसक
स्वतवागहीवडेगाउ
बुद्धनंबुधा
चण्डेश्वरिभोत
भीमेश्वरदोलया
भैरवनेकां
गोरवनाथगोर्वा
भडकालीलुमुरि
महाकालेनुनिखेल
सोभाभगवती
स्वतलोकेश्वरतुयूरवाओ
कोमारिकुमारिचुक
गणेशभेगा
त्रिशूलसे
महाकालदे
सोमभडसे
बुद्धवाहागौतमबुद्धय
बुद्धसे चण्डेश्वरविनाय
पंचलिभैरव

श्रीगर्भवोदिसत्त्व वोवाहा
 श्रीयोगात्तर - नमोऽस्तु
 श्रीगरुडनाथयण -
 श्रीगडाधर - गया
 श्रीविश्वनाथ काशि
 श्रीतारकेश्वर - हं
 श्रीकालभैरव - हं
 श्रीभक्तपूर्ण - हं
 श्रीहंतिराज - हं
 श्रीपुत्रवोत्रम जगन्नाथ
 श्रीवलभज - हं श्रीविमला
 श्रीसुभज - हं देवि
 श्रीत्रिवेणीप्रियाग
 श्रीवेणीमाधव - हं
 श्रीमनकामना -
 श्रीरुद्रेश्वर -
 श्रीकेदारनाथ
 श्रीवद्विनाथ
 श्रीहारिकानाथ
 श्रीवैजनाथ

श्रीज्योतिरूपस्वयम्भु - लेगु
 श्रीमनुषि - - - ले
 श्रीशान्तिपुरेश्वर - - - ले
 श्रीवसुपुरेश्वर - - - ले
 श्रीवायुपुरेश्वर - - - ले
 श्रीअग्निपुरेश्वर - - - ले
 श्रीनागपुरेश्वर - - - ले
 श्रीकर्कोटक - - - तदहं
 श्रीआदिपुष्टेश्वर - - - वामिदुल
 श्रीपंचवक्त्रालयवैद्यविष्णु - किपू
 श्रीवैष्णवी - - - वलभ
 श्रीमल्लिङ्गेश्वर - - - मल्लिचूड
 श्रीशेखरनाथयण - कंवि
 श्रीगोपालेश्वर - - - हं
 श्रीदक्षिणकाली - - - हं
 श्रीवज्रयोगिनी - - - हं
 श्रीनारायण - - - हं
 श्रीगुप्तेश्वर - - - लेले
 श्रीभैरव - - - योग
 श्रीविष्णुनाथयण - विष्णु
 श्रीकेशवनाथयण - भयुजानि
 श्रीस्वगर्भवोदिसत्त्व - हं

श्रीगण्डनागायण चैत्र
 श्रीहृदेवताधिनमस्ता ए
 श्रीकोमारी — ऐ
 श्रीकीलेश्वर — ऐ
 श्रीक्षेत्रपाल — ऐ
 श्रीकृतदेवता — ऐ
 श्रीगण्ड — ऐ
 श्रीविद्यधरी — विद्यास
 श्रीशोभाभगवती भवाश्रुति
 श्रीभगवती — नंसाज
 श्रीआकाशयोगिनी मोनताद्यो
 श्रीकालीमार्द — कलकता
 श्रीभीमसेन — भिन्दे
 श्रीचुरिमार्द — चुरि
 श्रीभूतदेवी — हेतौंडा
 श्रीविष्णुवालिनीदेवी विष्णुचल
 श्रीकामरु कामाक्षदेवी —
 श्रीहिमालेश्वरि — हिमाल
 श्रीरामचन्द्र अनुष्ठा
 श्रीगङ्गाकृष्ण मधु

श्रीअश्वगणेश मरु.
 श्रीहनुमंत — हनुमानथाका
 श्रीभद्रकाली — तुडिलेन
 श्रीधरलारंगयण स्वर्णिम
 श्रीदामोदर — ऐ
 धन्वंतरी
 औषधीवृक्षादिगणैभ्यः
 अभिनीकुमारभ्याम्
 सुठादेव्यै
 मंगला
 पिंगला
 धन्याभ्याम्
 ग्रामरी
 मद्रिका
 उल्का
 सिद्धा
 संकटा
 विकटा
 मुंथा
 दासकामिनीदेवी
 गंगा
 यमुना

20
मलिकर्तिका
मेदावरी
सरस्वती
नर्मदा
सिंधु
कावेरी
वरुणा
असी
भागीरथी
नारयणी
गंगासागर
आनदीभ्यो
आसमुद्रभ्यो
आतदागेभ्यो
आगंडकीभ्यो
आकूवेभ्यो
आप्रणालीभ्यो
आवापीभ्यो
हिमालय
सुमेरु
महावत
विंध्यावत

अस्तावत
उदयावत
लोकलोकावत
मत्स्य
कूर्म
वराह
रुसिंह
वामन
परभ्राम
राम
वलराम
योद्धु
कल्कि
नीलवारही
आदिप
सोम
अंगार
बुध
बृहस्पति
शुक्र

20

15

10

5

5

10

